खण्ड-2 संख्या-12

एकादश बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग-1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

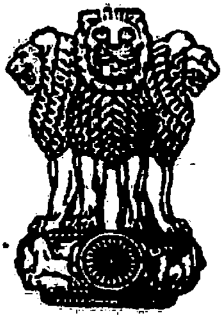

सत्यमेव जयते

दिनांक : 15 जून 1995 ई०

श्री इंदर सिंह नामधारी : अध्यक्ष महोदय, सरकार खुद भी चिंतित है और 135 अंचलों के स्थापना की अधिसूचना जारी कर दी है और कार्मिक विभाग को निश्चित रूप से दबाव दिया जा रहा है कि पद सृजन करें, पद सृजन होते ही अविलम्ब वहाँ पर पदस्थापन करना चाहते हैं।

श्रीमती सिता सिन्हा : अधिसूचना कब निर्गत की गयी है ?

श्री इंदर सिंह नामधारी : 135 अंचलों के निर्माण की सूचना 14.6.95 को की गयी है।

श्री रवीन्द्र चरण यादव : माननीय मंत्री, जब तक अंचलाधिकारी का पद सृजन नहीं हो जाता है, कार्मिक विभाग से पदस्थापन नहीं हो जात है तब तक वहां के जो नजदीक के अंचल हैं वहां अंचलाधिकारी का कार्यभार ग्रहण करा देंगे ।

श्री इंदर सिंह नामधारी : या तो बी. डी. ओ. को अधिकार दे देंगे या बगल मे जो सी. ओ. होंगे, जैसा हम देखेंगे वैसा इंतजाम करेंगे ।

जल मीनार चालू कराना

*778. **श्री यदुवंश सिंह :** क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि --

1. क्या यह बात सही है कि बड़हिया नगरपालिको में जलापूर्ति हेतु जल मीनार निर्मित हो चुकी है, लेकिन निर्माण के दो वर्ष बाद भी उसे चालू नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो इसका औचित्य क्या है तथा क्या सरकार जनहित में उक्त जल मीनार को शीघ्र चालू करवाने का विचार रखती है यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अवध बिहारी चौधरी : 1. उत्तर स्वीकारात्मक है। जल मीनार का सिविल वर्क्स पुरा हो चुका है। मात्र डी. एफ. राइजर पाईप लाईन का कार्य शेष रह गया है। स्वीकृत योजना 24.97 लाख की योजना के पुनरीक्षित कर 44.71 लाख रूपये का प्राक्कलन विभागीय पत्रांक 1178 दिनांक 9.11.93 द्वारा नगर विकास विभाग को प्रशासनिक अनुमोदन तथा निधि आवंटन हेतु भेजा गया है। प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त नहीं है। निधि उपलब्ध नहीं करायी गयी है निधि की व्यवस्था होने पर शेष कार्य को चालू कर दिया जायेगा ।

श्री यदुवंश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा पूरक है। कब तक व्यवस्था होगी ? और 75 फीट पाईप डबल थ्रेड की जो बात कही गई है, वह तो कब तक का आ चुका है, मई माह में ही आ चुका है। इसके लिए हमने बराबर संपर्क किया है। जो पदाधिकारी हैं, एस. ई. और कार्य० अभियंता हैं, उनसे बार-बार आश्वासन भी मिला है, लेकिन वह कार्य अभी तक नहीं हुआ है। यह कब तक पूरा होगा? इस संबंध में एक कहावत याद आती है - फॉर ए हुक, हौर्स इज् लौस्ट एंड बैट्ल इज लौस्ट फार ए हॉर्स । छोटी-छोटी सामानों के चलते यह काम रूका हुआ है। इसको कब तक करवाइयेगा ?

श्री अवध बिहारी चौधरी : महोदय, नगर विकास को हम अपने स्तर से सूचना दिए हुए हैं और हम आग्रह करेगे कि निधि वे जल्द-से-जल्द लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग का उपलब्ध करादें ताकि इनके शेष कार्य को पूरा कर इस काम को पूरा कर दे।

श्री यदुवंश सिंह : अध्यक्ष महोदय, हाउस पम्प बना हुआ है। 75 फीट पाईप सिर्फ जोड़ना है। हमने दरियाफ्त किया है एस. ई. के यहाँ से, तो यह उत्तर मिला कि ठीकेदार ही काम पर नहीं आता है, उनको कोई दिलचस्पी नहीं है-मैं माननीय मंत्री से जानना चाहता हूँ कि क्या यह बात सही नहीं है कि ठीकेदार

काम पर नहीं आ रहा है और अधीक्षण अभियंता नोटिस पर नोटिस दे रहा है ?

(कोई जवाब नहीं)

श्री यदुवंश सिंह : अध्यक्ष महोदय, इसका क्या उत्तर है माननीय मंत्री के पास ? मैंने माननीय मुख्य मंत्री से कहा था, अनुरोध किया था, लखीसराय जिला मुख्यालय है, वहाँ डिविजनल ऑफिस नहीं है तो क्या वहाँ डिविजनल ऑफिस खोलने का वचन देते कि वहाँ डिविजनल ऑफिस मुख्यालय में खोला जायेगा ?

श्री अवध बिहारी चौधरी : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य जो सूचना दे रहे हैं, उसको हम दिखवा लेंगे ।

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह 21 लाख का स्कीम था, वह पुनरीक्षित होकर 40 लाख : समथिंग, जैसा कि आपने बतलाया, और आपने यह भी बतलाया कि केवल राइजिंग पाईप का काम बाकी हैं मैं जानना चाहता हैं कि कितने पैसे का काम बाकी है, जिसके चलते, पैसा की कमी के चलते इसमें डिले हो रहा है, कितने पैसा का काम बाकी है ?

श्री अवध बिहारी चौधरी : महोदय, जो पैसा मिला, 21 लाख 73 लाख मिला और यह मिला था 1976 में, और उसमें से 3 ट्यूबवेल गाड़ा गया, पम्प हाउस 3 किये गये, डिस्ट्रिब्यूशन पाईप विछाने का काम 14,713 मीटर किया गया। 1590 राइजिंग मुभ ट्यूबवेल से टंकी तक पूरा हो गया जल मीनार से । कब हमको चाहिए शेष, जो टंकी से उपर ले जाने और पानी को पुनः नीचे लाने के लिए और ओभर फलडेड होता है, उसको कराने के लिए, तो इन तमाम कार्यों को करने के लिय हमको चाहिये राशि ....

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह : कितनी राशि चाहिए ?

श्री अवध बिहारी चौधरी : अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैंने बतलाया कि रिवाइज करके दिया गया है 44 लाख 71 हजार। अगर उसमें से नगर विकास कुछ न कुछ पार्ट करके भी उपलब्ध करा देता हे तो शेष काम पूरा करवा देगे। चार लाख-पांच लाख रुपया का खर्च है।

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह : इसलिए हमने प्रश्न किया है कि इसको आप पूरा करा दीजिए इसमें बहुत पैसा इनवौल्भ नहीं है।

श्री अवध बिहारी चौधरी : बिल्कुल हमारा प्रयास है, इस काम को पूरा करवाइये नगर विकास को राशि उपलब्ध करने के लिये कहेंगे।

भू-हदबंदी कानून सख्ती से लागू करना

***779. श्री रामदेव वर्मा :** क्या मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि --

1. क्या यह बात सही है कि मधुबनी, दरभंगा, और समस्तीपुर जिला के ए०सी० सिलिंग के न्यायालयों में 1981 ई० से ही भू-हदबन्दी कानून के तहत क्रमशः 60, 35 और 22 लंबित मामलों के तहत क्रमशः 4,149 एकड़ 10,187 एकड़ और 8,388 एकड़ जमीन का फैसला विचाराधीन चला आ रहा है।

2. क्या यह बात सही है कि कुल 22,724 एकड़ जमीन संबंधी मामले को इतने वर्षो से लम्बित रहना सरकार को भू-हदबन्दी कानून के प्रति उदासीनता का घोतक है।

3. यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार भू-हदबन्दी कानून को राज्य में सख्ती